IMPARTING SKILLS:

The first part of the campaign is to equip the students with requisite skills. The CGPC proposes to undertake the following initiatives :

- Motivational lectures to 'turn on' the students.
- Delivering short term modules on soft skills such as communication, emotional intelligence, team play, confidence, positive attitudes, etc.
- Simulated exercises in Group Discussions, Interviews, Presentations, Meetings etc.
- Diagnostic studies for right career choices.
- Guest lectures by experts on emerging industry and employment trends, workplace challenges, opportunities in emerging sectors.

RIGHT PLACEMENT :

Matching the job with the individual

The second part of the campaign is to help the students in finding most suitable job. The second part will include the following actions/initiatives :

- Networking with the recruiters.
- Arranging pre placement presentations
- Student- industry interface.
- Providing logistical support to recruiters/ facilities for presentations, tests, interviews.

Sponsors :

- International School of Business & Media, Pune
- Pearl Academy
- KVC Lucknow

Search for Right Career Begins & Ends at

CAREER GUIDANCE & PLACEMENT CELL

Christ Church College, Kanpur

"One important key to success is self confidence & the key to self confidence is preparation"

Career Guidance & Placement Cell

Patron : Dr. Pervez E Deen
Chairman : Dr. A N Tripathi, Principal
Convener : Dr. Ashutosh Saxena

Members:

Dr. Samuel Dayal
Dr. Shipra Srivastava
Dr. Sanjay Saksena
Dr. Sangeeta Gupta
Dr. Satya Prakash Singh
Dr. Vibha Tiwari

Contact :
Convener
Career Guidance and Placement Cell
(M) 9794406000, 9839803312, 9451021425
email : asaxena2k3@rediffmail.com

ABOUT US

Hello and welcome to Career Guidance and Placement Cell (CGPC), Christ Church College, Kanpur.

In sync. with our mission of providing meaningful education, Christ Church College Kanpur has taken upon itself a gigantic, yet fulfilling task of adding extra value to the students by enhancing their employability potential. The CGPC is launched as the enabling mechanism.

We firmly believe that Career Guidance and Placement services are a critical quality parameter in higher educational institutions. Further, our belief is reinforced by the National Skill Report, 2014 which suggests that among college graduates, only 30% are job worthy.

Objectives/Action Plan

The primary objective of the CGPC is to ensure that the students are equipped with right set of skills and find jobs in domains and organizations of their choice. The primary objective can be splitted in two parts :

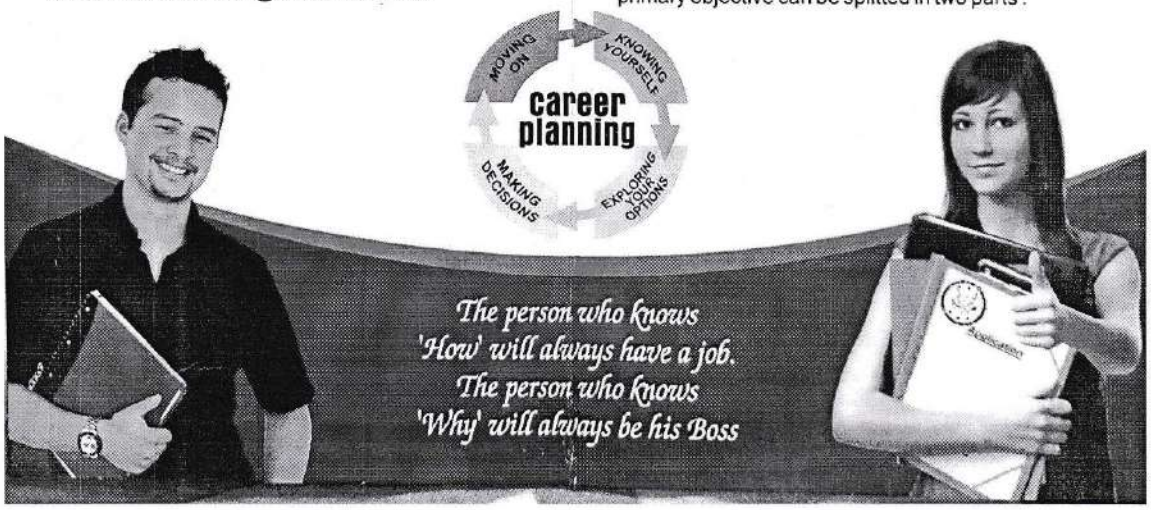

C. G. P. C. (2016 - 2017)

अमर उजाला 7
21 सितंबर 2017

'जॉब नेचर के साथ खुद भी बदलें'

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में साइकोमीट्रिक प्रोफाइल और कॅरियर बिल्डिंग पर वर्कशॉप

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

प्रो. एस जयरामन

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में हुई कार्यशाला में मौजूद स्टूडेंट।

रोज नई-नई तकनीकें इजाद हो रही हैं। इसके चलते जॉब नेचर में भी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। इसलिए आपको हमेशा जॉब नेचर के साथ खुद को बदलते रहना होगा। तभी आप एक सफल एम्पलॉयर कहलाएंगे। यह बातें बुधवार को इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया पुणे के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने कही। वह यहां क्राइस्ट चर्च कॉलेज में कॅरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल की तरफ से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। डॉ. प्रमोद ने बिजनेस प्लान और वर्क स्किल पर भी स्टूडेंटों को फोकस रखने की सलाह दी। बोले, यह काबिलियत आपको हमेशा कामयाबी दिलाएगी। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया के डायरेक्टर प्रो. एस जयरामन ने कहा कि कॅरियर उसी क्षेत्र में बनाने की कोशिश करनी चाहिए जिसमें आपकी रुचि हो। प्रिंसिपल डॉ. आरके गुप्ता ने कार्यशाला की उपयोगिता पर अपना संबोधन दिया। संचालन डॉ. विभा तिवारी और धन्यवाद ज्ञापन अविजित बनर्जी ने किया। कॉलेज के प्रबंध तंत्र के सचिव डॉ. परवेज ई. डीन, डॉ. डीसी श्रीवास्तव, डॉ. रीना डीन, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव, डॉ. एस दयाल, डॉ. संगीता गुप्ता आदि मौजूद रहे।

काबिल बनें, नौकरी खुद मिलेगी

कॅरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ. आशुतोष सक्सेना ने स्टूडेंटों को संबोधित करते हुए कहा कि हमेशा काबिल बनने की कोशिश करिए। प्रैक्टिकली नॉलेज रखिए। सवाल ज्यादा से ज्यादा पूछिए ताकि आपका नजरिया वैश्विक स्तर पर भी बना रहे। यह सब अगर आपने अपने अंदर डेवलप कर लिया तो आपको नौकरी मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

स्टूडेंटों ने दिए साइकोमीट्रिक टेस्ट

वर्कशॉप के दौरान स्टूडेंटों का साइकोमीट्रिक टेस्ट भी हुआ। इसमें छात्रों को एक पेपर दिया गया जिसमें अलग-अलग 54 प्रश्न थे। समन्वयक डॉ. आशुतोष ने बताया कि इस टेस्ट से छात्रों की सोच को समझने की कोशिश की गई है कि वह क्या सोचते हैं। टेस्ट में छात्रों से पूछा गया कि आप परिवार से हटकर बाहरी लोगों से कितना मिलते हैं? आप शॉपिंग करने मार्केट जाते हैं या फिर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं? आपके कितने फ्रेंड्स हैं? क्या आप फ्रेंड्स बनाने में इंट्रेस्टेड होते हैं? आपको फिल्म देखना पसंद है या लोगों से मिलना?

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 21 सितंबर, 2017

नौकरी करने से अधिक रोजगार का चुनाव करना उचितः प्रमोद कुमार

कानपुर। नौकरी करने से अधिक जरूरी रोजगार का ऊचित चुनाव करना है। और यह चुनाव भी व्यक्ति की क्षमताओं और अभिरूचियों के अनुकूल हो। तभी वह उस कार्य में सफलतापूर्वक और प्रसन्नतापूर्वक विकास कर सकेंगा। आज समय की माँग है कि व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता हो संप्रेषण हो विशलेषण कौशल हो और समस्या समाधान की योग्यता हो। मौलिक सोच हो और विभिन्न स्थितियों को संभालने की क्षमता हो। उक्त उद्गार आज यहां क्राइस्टचर्च कालेज में आयोजित साइकोमीटिक प्रोफाइल और कैरियर बिल्डिंग पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला में पुणे के बिजनेस स्कूल ऑफ मैनेंजमेंट और मीडिया के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने व्यक्त किये।

व्याख्यान देते हुए

कार्यशाला में समन्वयक आशुतोष सक्सेना ने सभी को उद्देश्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। इंटरनेशल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड बेंगलूर प्रो. एस जयशमन ने कार्यशाला के उद्देशयों और लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. आर.के. गुप्ता ने आये अतिथियों का स्वागत किया। प्रबंधतंत्र सचिव डा.परवेज डीन ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। संचालन डा. विभा तिवारी ने किया। धन्यवाद अभिजीत बनर्जी ने दिया। सदस्य डा. डीसी. श्रीवास्तव और डा. रीना डीन और शिप्रा श्रीवास्तव, और डा. एस दयाल संगीता श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

21 सितंबर 2017 दैनिक जागरण

इंडस्ट्री पर नोटबंदी का असर नहीं, रोजगार भरपूर

जागरण संवाददाता, कानपुर : नोटबंदी व सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आई गिरावट का असर इंडस्ट्री पर नहीं पड़ा है। इंजीनियरिंग व प्रबंधन के बेहतरीन छात्रों का चयन आज भी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पहले की तरह कर रही हैं। अच्छे कालेजों के योग्य छात्रों की कंपनियों को दरकार है। ये बातें बुधवार को क्राइस्ट चर्च डिग्री कालेज में हुई कॅरिअर गाइडेंस कार्यशाला में आइआइटी, आइआइएम के पूर्व प्रोफेसर व सिम्बायोसिस कालेज के पूर्व निदेशक डा. प्रमोद कुमार ने कहीं।

उन्होंने छात्रों को टिप्स देते हुए कहा कि नौकरी की संभावनाएं कालेज से ही शुरू होती हैं, क्योंकि कंपनियां यहीं से छात्रों का चयन करती हैं। बताया कि नौकरी से ज्यादा जरूरी रोजगार का उचित चुनाव करना है। यह चुनाव व्यक्ति की क्षमता व अभिरुचि के अनुकूल होना चाहिए। कार्यक्रम के समन्वयक डा. आशुतोष सक्सेना ने बताया कि रोजगार और कौशल विकास के विकल्पों की कोई कमी नहीं है। प्राचार्य डा. आरके गुप्ता व डा. मीतकमल द्विवेदी समेत अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

- आइआइटी व आइआइएम के पूर्व प्रोफेसर प्रमोद ने छात्रों को दिए टिप्स

डा. प्रमोद कुमार

- अच्छे कालेजों के योग्य छात्रों की सभी कंपनियों को दरकार

17 साल पहले बनाया स्टार्टअप : सिम्बायोसिस के निदेशक का पद छोड़कर डा. प्रमोद कुमार ने पुणे में इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया स्थापित किया। उनका उद्देश्य कुछ नया व अलग करने का था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में स्थापित स्टार्टअप आज बड़ा संस्थान है।

इन क्षेत्रों में असीम अवसर : मार्केटिंग फाइनेंस, बिजनेस कम्युनिकेशन, एडवरटाइजिंग, इवेंट मैनेजमेंट, डिजिटल कम्युनिकेशन, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मीडिया व पब्लिक रिलेशन्स।

कानपुर। बृहस्पतिवार • 21 सितम्बर • 2017 | राष्ट्रीय सहारा

समाज के बदलते परिवेश में रोजगार का लक्ष्य भी बदला

कानपुर। रोजगार की बदलती प्रकृति और लगातार बदलते समाज की जरूरतों के अनुसार व्यक्ति को सजग रहना होगा। रुचि और विशेषज्ञता के अनुसार नौकरी तलाश करनी चाहिए। आज रोजगार और कौशल विकास के विकल्पों की बहुतायत है। इसमें सही विकल्प का चुनाव महत्वपूर्ण हो जाता है। यह बात क्राइस्ट चर्च कालेज के कैरियर गाइडेंस और प्लेसमेंट सेल (सीजीपीसी) के समन्वयक डॉ. आशुतोष सक्सेना ने कहीं।

सीजीपीसी ने बुधवार को कॉलेज परिसर में साइकोमीट्रिक प्रोफाइल और कॅरियर बिल्डिंग की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यशाला में इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया, बेंगलुरु ने कार्यशाला के उद्देश्यों और लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला द्वारा छात्र जहां एक ओर कॅरियर संबंधी बहुमुखी जानकारी की मदद से अपने कौशल और व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे। वहीं पर साइकोमीट्रिक परीक्षणों द्वारा अपनी क्षमताओं और अभिरुचि का सही आंकलन भी कर सकेंगे। कार्यशाला में आये इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया के संस्थापक डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि प्रबंधन के बहुत संस्थानों से जुड़े रहे हैं। जैसे आईआईएम,एक्स एल आर, सिम्बायोसिस आदि से। छात्रों को विस्तारपूर्वक समझाया कि नौकरी से ज्यादा रोजगार का उचित चुनाव करें। यह चुनाव व्यक्ति की क्षमताओं और अभिरुचि पर निर्भर करता है कि उस कार्य को प्रसन्नतापूर्वक कर सकेगा। आज समय की मांग है कि आप में नेतृत्व क्षमता हो। समस्या के समाधान की क्षमता हो। सफल कॅरियर के लिए विविध योग्यतायें पैदा करनी चाहिए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. विभा तिवारी ने किया। धन्यवाद अविजित बैनर्जी ने दिया। यहां सीजीपीसी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. डीसी श्रीवास्तव, डॉ.रीना डीन, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव, डॉ. एस दयाल और डॉ.संगीता गुप्ता आदि थे।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में कॅरियर पर आयोजित वर्कशॉप को संबोधित करते प्रोफेसर्स। फोटो : एसएनबी

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में साइकोमीट्रिक प्रोफाइल और कॅरियर बिल्डिंग पर कार्यशाला

the pioneer
THURSDAY | SEPTEMBER 21, 2017

'Career mapping helps students build development paths'

PIONEER NEWS SERVICE | KANPUR

Career mapping has emerged as the potent tool to not only identify talents but also ensure a particular direction to students on the basis of the strong points in them. It contains detailed information to facilitate choices, based on individual talent and organisational needs. It enables HR organisations and employees separately or together to choose development paths that build intersections between career aspirations and the needs of the business. Besides it also shows alternative routes to build mastery in core profession.

This was stated by director, IBM, Bangalore, S Jayaraman while addressing a workshop on "Psychometric Profile and Career Building" at Christ Church College on Wednesday. He said mastery was being the "best one" and those who achieve mastery of their professions or trades were leaders, mentors and innovators. He said the knowledge, skills and ability that mastery required was enduring and guides both simple day-to-day decisions as well as complex challenges. He said in the current times organisational needs had turned career management topsy-turvy. He said business concerns had trampled career paths, leaving careers moving in fits.

Speaking on the subject, Shibul Bannerjee said contemporary times had produced chaotic changes in human capital forcing many managers, leaders and employees to confront a jumble of jobs and hierarchies that complicated every phase of staffing, from recruitment to management to career development. She said in umpteen cases, bottom-line numbers masked the discussion of core and secondary professions needed to achieve organisation missions and strategies.

Explaining career mapping, she said the bricks and mortar of a coherent learning and development structure were built on a foundation of knowledge and experience required for excellence in each core profession.

She said career maps provided both organisations and employees with the tools for building and maintaining the wisdom and know-how to confront a complicated jumble of jobs and said it was a visual, codified approach to career management.

She said career mapping began with cataloguing the core professions of an organisation ands the most effective career mapping designs were based upon professions rather than centered on jobs and compensation schemes. She said it should identify key knowledge areas and the skills and abilities to master each of the core professions. She said identifying the professions within an organisation, organising a list of core and secondary professions, and establishing the percentages of people comprising each profession was essential and one of the most difficult tasks in designing powerful Career Maps.

Addressing the second session, president, Indian School of Business and Media, Dr Pramod Kumar discussing how seeking a career was more important thatn taking up a job said the ability and willingness to lead, communicatin skills, analytical skills, problem solving skills , generating original ideas and ability to change in various situations were the need of the industry.

गुरुवार , 21 सितम्बर 2017

हिन्दुस्तान

क्राइस्टचर्च कॉलेज में 'साइकोमीट्रिक प्रोफाइल और करियर बिल्डिंग पर हुई कार्यशाला

रुचि के अनुसार रोजगार को चुनें

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

रोजगार की बदलती प्रकृति और समाज की जरूरतों के अनुसार व्यक्ति को सजगता से रुचि के अनुसार नौकरी की तलाश करनी चाहिए। विकल्प बहुत हैं। सही विकल्प चुनने वाला सफल व गलत चुननेवाला परेशान रहता है।

यह बात डॉ. आशुतोष सक्सेना ने कही। बुधवार को क्राइस्टचर्च डिग्री कॉलेज में कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल (सीजीपीसी) की ओर से 'साइकोमीट्रिक प्रोफाइल और करियर बिल्डिंग' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यहां इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया, बेंगलुरू के निदेशक प्रो. एस जयरामन ने बताया कि काम्प्टीशन के बढ़ते दौर में छात्रों को साइकोमीट्रिक परीक्षण जरूर कराना चाहिए। इससे उन्हें अपनी क्षमता व रुचि के बारे में सही जानकारी मिल जाएगी। यहां प्राचार्य डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. परवेज ई डीन, डॉ. विभा तिवारी अविजित बनर्जी, डॉ. डीसी श्रीवास्तव थे।

व्याख्यान देते डॉ. प्रमोद कुमार।

रोजगार पाने की क्षमता बढ़ाना शिक्षा का उद्देश्य

कानपुर। अच्छी से अच्छी पढ़ाई कर डिग्री हासिल करने वाले छात्रों का एक ही उद्देश्य होता है कि उन्हें अच्छी से अच्छी नौकरी मिले। इसलिए वर्तमान में शिक्षा का उद्देश्य भी छात्रों में रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को बढ़ाने का है। यह बात व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव ने कही। बुधवार को सीएसजेएमयू के व्यवसाय प्रबंधन संस्थान में बीबीए छात्रों के लिए 'व्यक्तित्व विकास एवं रोजगार' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। प्रो. मुकेश रंगा ने कहा कि शिक्षा को समाज के लिए उपयोगी होना चाहिए। अपर्णा कटियार ने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन अफहान हारिश ने किया। यहां शाह मोहम्मद, राजीव कुमार, सारिका गुप्ता, स्मृति सिंह, आलोक उपाध्याय आदि थे।

आज

कानपुर, 8 नवम्बर 2017

कैरियर में व्यक्तित्व विकास के महत्व पर रोशनी डाली

❑ क्राइस्ट चर्च कालेज में कैरियर काउंसलिंग व व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

(आज समाचार सेवा)

कानपुर,7 नवम्बर। क्राइस्ट चर्च कालेज की कैरियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल (सीजीपीसी) की ओर से तीन दिवसीय कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास पर शुरू हुई कार्यशाला के पहले दिन विशेषज्ञों ने छात्रों का विविध विषयों पर मार्गदर्शन किया। प्रथम तकनीकी सत्र में एप्टेक लर्निंग इंस्टीट्यूट के अरबा भाई मोमिन ने छात्रों को साफ्ट स्किल डेवलपमेंट की जानकारी दी। उन्होंने नौकरी एवं व्यवसाय के क्षेत्र में आईटी का महत्व बताया। एविएशन व होस्पिटैलिटी के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। प्रथम सत्र की संयोजिका डा. विभा तिवारी रहीं। दूसरे तकनीकी सत्र में टीआईएमई के प्रतिनिधि आशीष सिन्हा ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास का महत्व बताया। उन्होंने आत्मविश्वास की भूमिका पर भी रोशनी डाली। अपने प्रेजेंटेशन 'बेस्ट कैरियर आपशन एण्ड अपटीट्यूड ट्रेनिंग' में उन्होने छात्रों को सही रोजगार के लिए उचित योग्यता-विकास, साफ्ट स्किल, सकारात्मकता का महत्व के बारे में समझाया। इस सत्र का संयोजन डा.मीतकमल द्विवेदी ने किया। तीसरे तकनीकी सत्र में जयपुरिया मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट ने छात्रों के लिए क्विज का आयोजन किया। क्विज के माध्यम से छात्रों का समान्य ज्ञान और कौशल का आकलन किया गया। प्रथम विजेता को 5हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। इस सत्र का संयोजन डा. विभा तिवारी ने किया। इससे पहले सीजीपीसी के सह समन्वयक डा.डी.सी.श्रीवास्तव ने प्रकोष्ठ के उद्देश्यों, कार्यों, गतिविधियों एवं भविष्य की रूपरेखा की जानकारी दी। कालेज के प्रचार्य डा. आर.के.गुप्ता, कालेज प्रबंध तंत्र सचिव डा. परवेज डीन छात्रों से नए हुनर सीखने तथा अपनी रूचि के मुताबिक रोजगार का चयन करने की सलाह दी।

सेमिनार को सम्बोधित करते विशेषज्ञ।

the pioneer
WEDNESDAY | NOVEMBER 8, 2017

Workshop on career counselling held

Career counselling workshop being held at Christ Church College on Tuesday. Pioneer

KANPUR : Arwabhai Momin, Aptech Learning, while addressing the national workshop on Career Counselling and Personality Development, organised by the Career Guidance and Placement Cell of the Christ Church Degree College on Tuesday discussing career in information technology said IT covered computer science and software engineering and said there were a variety of different paths in the career field, including becoming a systems analyst, a programmer or a support specialist. He said IT was a broad field that encompassed many careers, including computer programming, technical support and systems analysis. He said educational requirements varied according to career objectives.

He said as a computer systems analysts one can assist businesses with solving their computer needs. He said after assessing the requirements of the business and the resources available, they plan computer systems and networks tailored to serve the business' unique interests which may include modifying existing software or creating new software to manage company functions. Many systems analysts stay competitive by specialising in computer systems that correlated to one particular area of employment, such as accounting and financial systems. He said similarly the main responsibility of a computer programmer was to design software in various programming languages, including C++ and Python. He said in addition to writing software code, programmers were involved in testing and refining the code to insure stability. He said a programmer may also design a graphical user interface so that the programme was usable for all possible audiences.

Momin said a computer support specialist provided technical assistance to many different types of organisations, including schools, government agencies and private sector businesses. He said commonly, a computer support specialist worked in a help-desk service area or a call centre work environment. He said the main duty of a computer support specialist was to respond to technical issues called in by a user or submitted by e-mail. He said regardless of which path one took into information technology, a bachelor's degree was likely required and can help in in areas limke production management, UX Design, Software development, Business Systems, Data Science and Analytics, Cyber security and risk management and infrastructural services.

He said hospitality careers were for those who enjoyed playing the host. He said food service and lodging managers were responsible for making sure guests at restaurants and hotels had a satisfying experience with their meal or their accommodations. He said both types of hospitality careers were responsible for managing the daily operations of the establishment including overseeing staff, reviewing budgets and ensuring guests' comfort and satisfaction. He said this area typically required at least a high school diploma and extensive on-the-job experience. He said larger restaurants and hotels may require their managers to have a bachelor's degree in business management, and some restaurants may prefer that their managers had postsecondary training in the culinary field. He said although population growth was expected to increase the demand for food and lodging services, companies were consolidating supervisor and managerial positions, streamlining hospitality jobs to keep budgets under control.

The second session was addressed by Ashish Saxena, Triumphant Institute of Management Education,(TIME) who emphasised upon soft skills and personality and said when people learn about soft skills for the first time, many were confused by their similarity to character traits and assume that soft skills were something that they either already had, or need to develop over time through life experience. He said while both personality traits and soft skills were equally important, soft skills have the benefit of being able to be learned and honed, which has caused them to become an increasingly valuable asset in the professional field. He said traits were features of ones character that were either an existing aspect of ones genetics or that have been developed through life experiences. He added that these were the features that made up personality and remained relatively constant throughout the lifetime. He said while skills on the other hand were tasks that one were able to perform well.

Speaking on the topic, he said traits were generally not able to be developed and remain with a person throughout life, however, there were some instances – such as cultural adaptations, life challenges and major events – that may cause a person to develop new traits. He said soft skills, on the other hand, can be learned and refined through education, training and experiences. He said once learned, soft skills can be improved upon and were widely transferable between situations. He said some personality traits can simplify ability to learn soft skills. He said someone with a list of positive soft skills was more likely to be employed in a role where they were competing with people who had the same qualifications, but who lacked soft skills.

Earlier the Principal, Dr RK Gupta addressed the students and gave them the mantra to achieve success. Others present were Dr Vibha Tiwari, Dr DC Srivasatava, Dr Meet Kamal Dwivedi and the convener Dr Ashutosh Saxena.

बुधवार , 08 नवम्बर 2017
हिन्दुस्तान

स्किल डेवलपमेंट के बिना अच्छा रोजगार असंभव

कॅरियर काउंसिल

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

स्किल डेवलपमेंट के बिना अब अच्छा रोजगार मिलना मुश्किल है। कंपनियां अब सिर्फ डिग्री पर जॉब नहीं देतीं। बल्कि पढ़ाई के साथ अन्य विधाओं में योग्यता रखने वाले कर्मचारियों को रोजगार मुहैया कराना चाहती हैं। इससे युवाओं के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं।

यह बात क्राइस्टचर्च कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके गुप्ता ने कही। मंगलवार को क्राइस्टचर्च कॉलेज में कॅरियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से तीन दिवसीय 'कॅरियर काउंसिलिंग एवं व्यक्तित्व विकास' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. परवेज ई डीन, डॉ. आरके गुप्ता, अरवा भाई मोमिन, आशीष सिन्हा व विभा तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। परवेज डीन ने कहा कि छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार ही रोजगार चुनना चाहिए। इससे वह शतप्रतिशत प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेगा। छात्रों को हमेशा नया हुनर सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। अरवा भाई मोमिन ने छात्रों को नए रोजगार के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि एविएशन और हॉस्पिटैलिटी में रोजगार तेजी से बढ़ रहा है। आशीष सिन्हा ने कहा कि छात्रों को सही रोजगार के लिए योग्यत विकास, सॉफ्ट स्किल, सकारात्मकता जरूरी है। इसके बाद छात्र-छात्राओं के लिए एक क्विज का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने सामान्य ज्ञान से जुड़े सवालों का उत्तर देकर अपना आंकलन किया। प्रतियोगिता का संचालन शिवानी ने किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. विभा तिवारी ने किया।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में कॅरियर गाइडेन्स एवं प्लेसमेंट सेल विषय पर गोष्ठी में बोलती अरवा भाई मोमिन और चर्चा करती छात्राएं।

9 नवंबर 2017
बृहस्पतिवार
अमर उजाला

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते नीरज प्रसाद।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 10 नवंबर, 2017

छात्रों को केवल ज्ञान ही नहीं रोजगार भी तय करना होगा

क्राइस्ट चर्च कालेज मे चल रही कैरियर कार्यशाला का समापन, परिसर में काल सेंटर की स्थापना

कानपुर। क्राइस्टचर्च कालेज महाविद्यालय में चल रही कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास की तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन दिवस पर आज तकनीक सत्र में एंडेवर संस्थान से आयी प्रीत कौर ने छात्रों के साथ कौशल विकास के माध्यम से रोजगार तक पहुंचने की बारीकियों पर चर्चा की। नये उभरते क्षेत्रो के लिए योग्यता विकास पर बल दिया। इसके उपरांत प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन किया गया। और एक काल सेंटर की स्थापना भी की गयी। काफी छात्रों ने पंजीकरण कराया। रोजगार के लिए रुप

वायुसेना के अधिकारियों ने कराया रोजगार के अवसरों से अवगत

डिस्कशन और साक्षात्कार भी हुए।

कार्यशाला में कहा गया कि आज के प्रतियोगितावादी युग में महाविद्यालयों में छात्रों को परंपरागत ज्ञान प्रदान करने की जिम्मेदारी ही नही अपितु उनके आगामी जीवन में रोजगार को तय करने और कैरियर को सफल दिशा देने की भी जिम्मेदारी भी है। और इसी बाबत कालेज में कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल की स्थापना की गयी। जिसका मुख्य मकसद छात्रो को रोजगार उपलब्ध कराना रहेगा। आर.एच.डी.एल. द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों की समूह चर्चा और साक्षात्कार द्वारा चयन प्रक्रिया में छात्रों ने पंजीकरण कराने के बाद समूह चर्चा और साक्षात्कार में भाग लिया। आरडीएच. संस्था द्वारा परिसर में ही की गयी काल सेंटर की स्थापना से छात्रों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के कॉल सेंटरों में शहर में रोजगार उपलब्ध होने का अवसर भी मिलेगा। और आज बीएसएसी, बीकॉम तृतीय वर्ष के कई छात्रों को तथा ग्रेजुएट छात्रों को इसके माध्यम से शार्ट लिस्ट भी किया गया। इन छात्रों को लिए प्रंट आफिस, बैंक आफिस, एकाउंटस, फाइनेंस, एचआर मैनेंजमेंट कॉल सेटर आदि नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया शुरू की गयी। आये छात्रों को भी योग्यता के ही अनुसार चयन प्रक्रिया में भागेदारी दी गयी। विद्यालय आगे भी इसी तरह की अन्य अवसर छात्रों को उपलब्ध करवाता रहेगा। दूसरे दिन दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिनमे पहले सत्र में कैरियर लांचर संस्थान के संस्थापक नीरज प्रसाद ने छात्रों को एमबीए. क्षेत्र में नौकरी की जानकारी से अवगत कराया। इसके अलावा भारतय वायु सेना के अवसरों के बारे में आये वायसेना के अधिकारियों ने भी जानकारी दी।

the pioneer
FRIDAY | NOVEMBER 10, 2017

Attitude & aptitude play a major role in success

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Resource Institution Endeavour, Preet Kaur while addressing the final day of the two-day seminar on 'Career Counselling and Personality Development' organised by Christ Church College on Thursday said umpteen elements played a vital role in achieving success, but it all starts where attitude meets aptitude. She said if one had the right attitude but lacked the required aptitude, success can be difficult. She said attitude defined how one worked or proceeded towards ones goal. She said aptitude, on the other hand, defined how much potential one have to learn specific skills or gain knowledge that will help achieve ones goal.

She said attitude and aptitude play a major role in success and it was the key to success because it can push one forward or slow one down. She said it all it all started with how one viewed oneself in a specific environment. She said right attitude meant knowing what one was capable of accomplishing. She said ambition, determination, and commitment fuel the right attitude, also known as a positive attitude or go-getter attitude. She said work temperament was an important aspect that helped people to establish their goals and achieve them. He said work temperament referred to a positive attitude and a strong personality and Emotional Intelligence in a stressful work environment played a vital role.

Preet said another factor was motivation which was the key to success and added that some people were motivated by others while some people found ways to self-motivate themselves.

She said on the other hand, lack of motivation can lead to

Flt Lt. Japna Anand addressing the career counselling workshop at Christ Church College on Thursday. Pioneer

working with different graphic design programmes. She said the most important thing to remember was 'knowledge is still the king' and if one have an insatiable thirst for the knowledge, one had the right aptitude for success.

Preet said self-confident and success had proved that the two were at least related which meant that self-confident people were more successful in all areas of life. She said successful people had a high level of self-confidence.

She said a strong sense of efficacy enhanced human accomplishment and personal well-being in many ways. She said people with lots of confidence in their capabilities approached difficult tasks as challenges to be mastered rather than as threats to be avoided. She added that they set themselves challenging goals and maintained a strong commitment to them. She said in the face of failure, confident people can also heighten and sustain their efforts and quickly recover their sense of efficacy after failures or setbacks. She said they attributed failure to insufficient effort or a lack was because they lacked abilities, and they lost faith in themselves. She said such people fall easy victim to stress and depression. She said another important part of self-confidence was self-esteem, a term with which many people were familiar.

Addressing the second session Flt Lt. Japna Anand said Short Service Commission in Indian Air Force implied a careers of most extreme 10+4 years and least 10 years in the Indian Air Force. She said girls can join IAF as SSC officers just, while men can join as both SSC and PC officers. She said in IAF you can join as SSC officers through AFCAT or Air Force Common Admission Test sections and this test was directed twice per year and it was a target sort test comprising distinctive sorts of inquiries from regions extending from GK to Math, English and Reasoning. She said once one cleared the composed test, one was called for therapeutic tests, on clearing which one can join Air Force Academy after the name showed up in the all India legitimacy list.

She further informed that timeless traditions of the IAF, blended perfectly with the latest technology.

HEALTH CONFERENCE: Kanpur Obs and Gynaecological Society (KOGS) will organise National Adolescent Health Conference Youth Summit and CME here at the Methodist High School on November 11 and 12. Addressing mediapersons, president Dr Kiran Pandey said adolescents face serious challenges and do need sensitisation as their problems remain largely neglected. It becomes important as adolescence represents a window of opportunity to prepare for a healthy adult life. She said renowned national faculties will be delivering interesting talks on various adolescent health problems. This academic feast will provide platform to enhance the existing knowledge of KOGS members and members from nearby societies. This will also spread the awareness amongst people at large. She said youths from various schools of Kanpur and nearby places were invited to attend the conference. This event will provide an ideal

कानपुर। शुक्रवार • 10 नवम्बर • 2017 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

क्राइस्ट चर्च में अंतिम दिन चला प्लेसमेंट ड्राइव

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में राष्ट्रीय कॅरियर वर्कशाला के समापन समारोह को सम्बोधित करतीं फ्लाइट लेफ्टिनेंट जपना आनंद व समापन समारोह भाग लेती छात्राएं। फोटो : एसएनबी

कानपुर। क्राइस्ट चर्च कॉलेज में छात्राओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय 'कॅरियर काउंसलिंग व व्यक्तित्व विकास' कार्यशाला के अंतिम दिन शुक्रवार को रतन हाउसिंग डेवलपमेंट लिमिटेड की सहयोगी संस्था आरएचडीएल ने बीपीओ सहित अन्य क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कार्मिकों के चयन के लिए प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया।

प्लेसमेंट ड्राइव को लेकर छात्र काफी उत्साहित नजर आये। संबंधित कंपनी ने स्नातक कक्षाओं के तृतीय वर्ष के छात्रों व अन्य ग्रेजुएट छात्रों के बीच ग्रुप डिस्कशन व इंटरव्यू कर उन्हें शार्ट लिस्ट किया।

आरएचडीएल घरेलू व अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटरों सहित अन्य क्षेत्रों में दिलायेगा जॉब

फ्लाइट लेफ्टीनेंट जपना आनंद ने छात्रों को दिया वायुसेना की सेवाओं में आने का न्योता

कॉलेज प्रबंधन द्वारा छात्रों को बताया गया कि आरएचडीएल ने कानपुर में एक उत्कृष्ट कॉल सेंटर की स्थापना की गयी है। चयनित छात्रों को विभिन्न घरेलू व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के कॉल सेंटरों में शहर में ही रोजगार उपलब्ध कराये जाएंगे। कार्यशाला संयोजक कॉलेज कॅरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ.आशुतोष सक्सेना ने विश्वास जताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन से छात्रों को कॅरियर की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

इससे पूर्व एंडेवर संस्थान से आयीं प्रीत कौर व भारतीय वायुसेना के फ्लाइट लेफ्टीनेंट जपना आनंद ने कॅरियर काउंसलिंग को लेकर छात्रों को संबोधित किया। प्रीत कौर ने छात्रों से कौशल विकास के माध्यम से सही रोजगार तक पहुंचने की बारीकियों पर चर्चा की व नये उभरते क्षेत्रों के लिए योग्यता विकास पर जोर दिया। फ्लाइट लेफ्टीनेंट जपना आनंद ने भारतीय वायुसेना में विभिन्न कॅरियर की जानकारी दी। उन्होंने सर्विस कमीशन (एसएससी) व परमानेंट कमीशन की विभिन्न फ्लाइंग व ग्राउंड सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। वाणिज्य विभाग की एसो. प्रोफेसर डॉ.शालिनी कपूर ने इस सत्र का संयोजन किया।

Career Guidance and Placement Cell (CGPC) organizes workshops every year to ensure that the students are equipped with right set of skills and find jobs in domains and organizations of their choice.

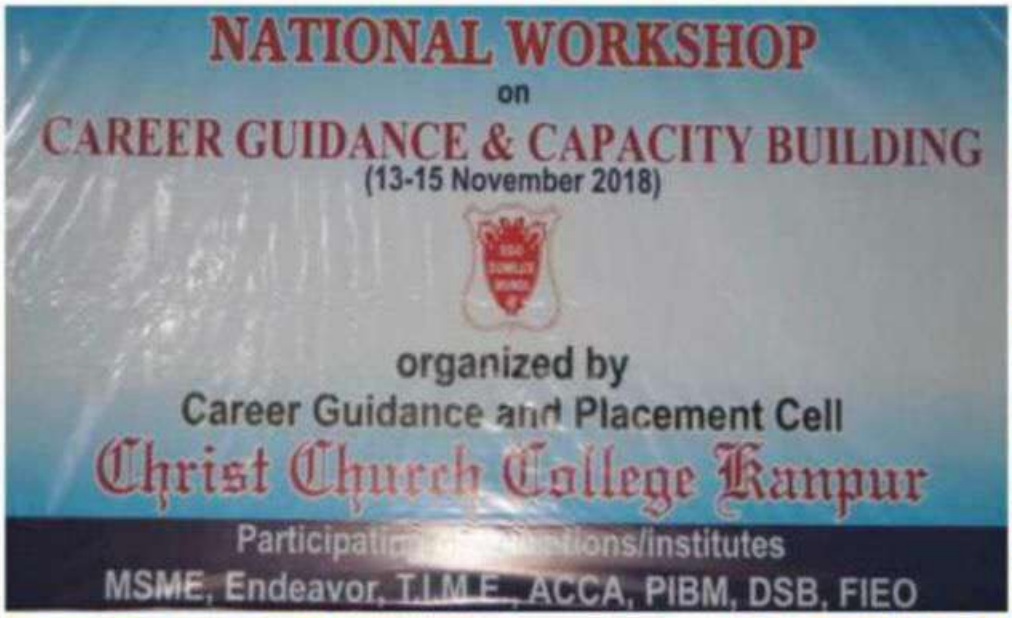

Great opportunity for the students for Preparation of Group Discussion/Personal Interview Preparation. A webinar was organized by Career Guidance & Placement Cell of the College on 18th December 2020. As a mission of Education to employment, MEDHA- an educational partner also organised an offline program and a short-term course on Career Education and Capacity Building in February 2021.